

प्रेषक,

सुबर्द्धन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
सूचना एवं लोक संपर्क विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूचना अनुभाग

देहरादून

दिनांक 21 जनवरी-2009

विषय- वित्तीय वर्ष 2008-09 के लिए प्रथम अनुपूरक मांग के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2352/सू० एवं लो० सं० वि० (लेखा)/आय-व्ययक (अनु० मांग-2)/2008-09 दिनांक 27 अक्टूबर-2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड, हेतु वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक-2220 -सूचना तथा प्रचार के आयोजनेत्तर पक्ष में वचनबद्ध मदों हेतु पूर्व में शासनादेश संख्या-109/XXII/2008-2(7)2007(टी० सी०) दिनांक 2-4-2008 द्वारा अवमुक्त की गयी धनराशि के अतिरिक्त रुपये 9200 हजार (बयानवे लाख मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रु० हजार में)

लेखाशीर्षक/उपलेखाशीर्षक	मानक मद	स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3
2220- सूचना तथा प्रचार 60-अन्य 001-निदेशन तथा प्रशासन 03-अधिष्ठान व्यय	01-वेतन	3300
102-सूचना केन्द्र 03-सूचना केन्द्र का अधिष्ठान	01-वेतन	1300
106-क्षेत्र प्रचार 03-अधिष्ठान	01-वेतन	4000
109-फोटो सेवाएँ 03-अधिष्ठान	01-वेतन	250
110-प्रकाशन 03- अधिष्ठान	01-वेतन	350
	योग-	9200

कम्रश: 2 पर

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसी व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारों की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये।

3-धनराशि उसी मद में व्यय किया जाये जिसके लिये स्वीकृत की जा रही हो। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजें।

4-वित्तीय वर्ष 2008-09 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान यदि कोई हो तो उसके विवरण की सूचना विभाग द्वारा अलग से रखी जायेगी।

5-इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-14 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनेत्तर पक्ष के अंतर्गत उक्त तालिका में इंगित लेखाशीर्षकों/मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

6-उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ०शा०पत्र सं०-556 NP/XXVII (5)/2008 दिनांक-16 जनवरी-2009 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुबर्द्धन)

अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या: 30 / XXII/2009-2(7)2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित के सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० सूचना मंत्री, उत्तराखण्ड।
- 3- सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-5
- 6- एन०आई०सी० देहरादून सचिवालय।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस०एस०वल्दिया)

उपसचिव